नौकरी से बढ़कर आत्मसंतुष्टि दिलाता कॅरियर

अगर कोई यह पूछे कि बेहतरीन कॅरियर का मतलब क्या होता है तो ज्यादातर लोग यही कहेंगे कि ऐसा कॅरियर जिसमें काम हम अपने मन का करें और हमें पैसा भी मिले। कॅरियर का ऐसा ही विकल्प है सोशल इन्टरप्रेन्योर या सामाजिक उद्यम। हमारे देश में कॅरियर के इस विकल्प के बारे में जानकारी रखने वाले लोग बेहद कम हैं जबकि विदेशों में यह लम्बे समय से सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले कॅरियर के रूप में छाया हुआ है। हाल ही में जानी मानी कंपनी 'ई बे' ने साढ़े चार मिलियन पाउंड की भारी भरकम धनराशि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय को सोशल इन्टरप्रेन्योर पर नए कोर्स शुरू करने के उद्देश्य से दी है। आइए, सबसे पहले जानते हैं कि सोशल इन्टरप्रेन्योर या सामाजिक उद्यम है क्या:-

सोशल इन्टरप्रेन्योर या सामाजिक उद्यम- मुम्बई के संदीप सिंह खुद पिछले 10 वर्षों से विज्ञापन एजेन्सी और मीडिया से जुड़े रहने के बाद हाल ही में इस क्षेत्र में उतरे हैं। इस समय सामाजिक उद्यम के क्षेत्र में काम कर रहे संदीप सिंह कहते हैं, 'आम तौर पर कॅरियर के दो रूप होते हैं। एक रूप होता है विशुद्ध व्यावसायिक जिसमें हम चीजों को केवल निजी फायदे और नुकसान के रूप में देखते हैं। दूसरा रूप होता है सामाजिक संस्था (एनजीओ) का जिसमें गैर व्यावसायिक नजरिए से काम किया जाता है। सोशल इन्टरप्रेन्योर इन दोनों के बीच की कड़ी है। इसमें आप अपने मन का काम करते हैं, मन के विचारों को काम में बदलते हैं और साथ ही आजीविका भी कमाते हैं।'

गुण जो हममें होने चाहिए:- इस कॅरियर में जो चीज सबसे ज्यादा मायने रखती है वह यह है कि हम अपने आस-पास के समाज के साथ कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। एक सोशल इन्टरप्रेनर का काम होता है कि वह समाज का कौन सा तबका कैसी समस्या से कहाँ जूझ रहा है इस बात का पता लगाए और उसके बाद उस समस्या से निपटने का नया रास्ता खोज निकाले। वह यह भी देखता है कि सुझाए गए समाधान किस हद तक प्रभावी हैं और जहाँ एक रास्ता बंद हो वहीं से दूसरा रास्ता खोज निकाले। यानी कि चीजों को समझने, उनका विश्लेषण करने और उसके बाद मनचाहे परिणाम निकालने की क्षमता ही इस कॅरियर को अपनाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। संदीप कहते हैं, 'सामाजिक उद्यमी किसी को मछली पकड़ना सिखाकर शान्त नहीं बैठते। वह उस जगह से तब तक नहीं हटेंगे जब तक कि उस क्षेत्र में मछली पकड़ना व्यवसाय के रूप में नहीं शुरू हो जाता यानी कि काम शुरू करके उसे मंजिल तक पहुँचाना ही इस कॅरियर की खासियत है।'

समाज के लिए कितना जरूरी:- सामाजिक उद्यमी या सोशल इन्टरप्रेनर्स की जरूरत हर समाज को होती है- विकसित समाज को भी और विकासशील समाज को भी। इसकी वजह यह होती है कि समाज के अलग-अलग तबकों की समस्याएँ भी अलग-अलग होती हैं। ऐसे में सोशल इन्टरप्रेनर की भूमिका अहम होती है क्योंकि समस्या से निपटने के लिए जिस खास दूरगामी दृष्टिकोण और समर्पित तरीके से काम करना चाहिए वह सोशल इन्टरप्रेनर ही कर सकता है। संदीप कहते हैं, 'यह फर्क ऐसे समझा जा सकता है कि आम आदमी का काम केवल एक विचार देकर खत्म हो जाता है जबकि सोशल इन्टरप्रेनर उसी विचार को पूरी व्यवस्था का रूप देता है।'

इस समय संदीप देहरादून के ग्राफिक एरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इस विषय की जानकारी दे रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जो मॉड्यूल तैयार किया है उसमें हिन्दी साहित्य, स्वाधीनता संग्राम, राजनीति, खेल, रक्षा, सरकारी उपक्रमों और मीडिया...यानी कि हमारे आस-पास के हर क्षेत्र से जुड़ी जानकारी और उससे संबंधित उदाहरण मौजूद हैं। संदीप इसके लिए वेबसाइट भी तैयार कर रहे हैं जो इस विषय में इच्छुक लोगों की ऑनलाइन मदद के लिए तैयार रहेगी। इसके अलावा संदीप का यह प्रयास भी है कि इस मॉड्यूल के दौरान अगर कोई छात्र इसी क्षेत्र से जुड़े विचार लेकर आता है तो उसके विचार को हकीकत में बदलने के लिए उसकी हरसंभव मदद की जाए। अधिक जानकारी के लिए संदीप से सम्पर्क कर सकते हैं:
sandeepconsultant@rediffmail.com

आपके लिए...

अगर आप भी इस विषय में और जानकारी चाहते हैं तो शुरूआत इन किताबों से कर सकते हैं-

- हाऊ टु चेन्ज द वर्ल्ड- सोशल इन्टरप्रेनर्स एण्ड द पॉवर ऑफ न्यू आइडियाज़ (डेविड बर्नस्टीन)
- द इन्टरप्रेनर्स रिवोल्यूशन एण्ड यू (विलियम रेटन)
- द मीनिंग ऑफ सोशल इन्टरप्रेनरशिप (जे.ग्रेगरी डीज)
- सोशल इन्टरप्रेनरशिपः टुवार्डस एन इन्टरप्रेन्योरियल कल्चर फॉर सोशल एण्ड इकोनॉमिक डेवलपमेन्ट (सुजेन डेविस)